वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 323 | गुरुवार 21 मार्च 2024 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

जयपुर में सिर्फ दो नॉमिनेशन हुए, अब 4 दिन बचे

वोटर लिस्ट में भी अब नाम नहीं जुड़ पाएगा, 44.56 लाख लोग करेंगे वोटिंग

जयपुर. कासं

लोकसभा चुनाव के पहले दिन आज जयपुर शहर और जयपुर ग्रामीण सीट पर 2 उम्मीदवारों ने नामांकन पत्र भरे। इनमें एक राइट टू रिकॉल पार्टी और दूसरा नामांकन निर्दलीय प्रत्याशी ने किया है। दरअसल, आज से जयपुर जिले की दो लोकसभा सीट समेत प्रदेश की कुल 12 सीटों के लिए नामांकन प्रक्रिया शुरू हुई है। वहीं, जयपुर के लिए वोटर लिस्ट भी फाइनल हो गए हैं। अब नाम नहीं जुड़ पाएंगे। जयपुर जिला निर्वाचन अधिकारी प्रकाश राजपुरोहित ने बताया- जयपुर ग्रामीण लोकसभा सीट से राइट टू रिकॉल पार्टी के प्रत्याशी के तौर पर आदित्य प्रकाश शर्मा और जयपुर शहर लोकसभा सीट से शशांक ने निर्दलीय प्रत्याशी के तौर पर नामांकन पत्र भरा। अब उम्मीदवारों के पास केवल 4 दिन का समय बचा है।

तीन दिन रहेगी छुट्टी: निर्वाचन अधिकारी ने बताया- 23 मार्च से 25 मार्च तक राजकीय अवकाश रहेगा। इस दौरान नामांकन पत्र नहीं लिए जाएंगे। अब उम्मीदवार 21, 22 और 26, 27 मार्च को नामांकन पत्र भर सकेंगे। 27 मार्च तक मिलने वाले सभी नामांकन पत्रों की जांच 28 मार्च को की जाएगी।

अब नहीं जुड़ेंगे वोटर लिस्ट में नाम

निर्वाचन अधिकारी ने बताया - पहले चरण में होने वाले चुनाव में जयपुर की दोनों सीटों पर वोटिंग 19 अप्रैल को होगी। इसके लिए दोनों ही लोकसभा सीटों पर वोटर लिस्ट फाइनल हो चुकी है। जयपुर शहर और जयपुर ग्रामीण लोकसभा सीट पर कुल 44.56 लाख से ज्यादा वोटर्स है, जो अपने मताधिकार का प्रयोग इस लोकसभा चुनावों में करेंगे।

प्रत्याशी सहित 5 ही व्यक्ति अधिकारी के कमरे में प्रवेश कर सकेंगे

जयपुर में नामांकन प्रक्रिया सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक रही। दोपहर 3 बजे के बाद किसी भी व्यक्ति को एंट्री करने या दस्तावेज लाने की अनुमति नहीं रही। नामांकन भरने पहुंचे वाले के साथ 4 व्यक्ति सहित कुल 5 व्यक्ति ही रिटर्निंग अधिकारी (आरओ) के कक्ष में प्रवेश कर सके। नामांकन भरने पहुंचे व्यक्ति के काफिले में केवल तीन वाहनों को ही आरओ कार्यालय के 100 मीटर के अंदर प्रवेश की अनुमति दी गई है।

खाटूश्यामजी ने एक घंटे तक किया नगर भ्रमण

सीकर. कासं

सीकर में खाटूश्यामजी ने एक घंटे तक नगर भ्रमण किया। इस दौरान हजारों की संख्या में भक्त भजनों पर झूमते रहे। बाबा पर श्रद्धालुओं ने जमकर गुलाल भी उड़ाया। रथयात्रा के मार्ग पर बाबा श्याम पर फूलों की बारिश की गई। निर्धारित समय से करीब एक घंटे देरी से शुरू हुई यात्रा में रथ को खींचने के लिए भी भक्तों में खासा उत्साह दिखा। फूलों से सजे बाबा के रथ की एक झलक पाने के लिए श्रद्धालु घंटों तक इंतजार करते रहे। रथयात्रा में बाबा श्याम का खजाना भी भक्तों पर लुटाया गया। बुधवार को मुख्य मेले के लिए मंदिर में जिगजैग लाइन भी शुरू की गई हैं। श्रद्धालुओं को यहां करीब 17 किलोमीटर चलना होगा। उसके बाद ही वे गर्भगृह के सामने पहुंच सकेंगे। इस साल 11 मार्च से मेले की शुरूआत हुई। मेले में अब तक करीब 25 लाख लोग खाटू नरेश के दर्शन कर चुके हैं।

राजस्थान के 6 जिलों में हीटवेव का अलर्ट : 40 डिग्री को पार कर सकता है तापमान

जयपुर. कासं। राजस्थान में 23 और 24 मार्च को हीटवेव चलने का येलो अलर्ट है। मौसम केंद्र नई दिल्ली के अनुसार, हीटवेव का ज्यादातर असर पश्चिमी राजस्थान के जैसलमेर, बाड़मेर, बीकानेर, जालोर, जोधपुर और फलोदी में रहेगा। इस दौरान इन शहरों में दिन का तापमान 40 डिग्री सेल्सियस या उससे ऊपर जा सकता है। वहीं, पिछले 24 घंटे में बाड़मेर में सबसे ज्यादा गर्मी रही। यहां अधिकतम तापमान 38 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ, जो इस सीजन में अब तक का सबसे ज्यादा तापमान है। अजमेर, अलवर, कोटा और जोधपुर में न्यूनतम तापमान 2 से 3 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ने से रात में भी सर्दी कम हो गई। मौसम केंद्र जयपुर के सीनियर साइंटिस्ट हिमांशु शर्मा ने बताया कि राज्य में अगले दो-चार दिन तापमान में इसी तरह उतार-चढ़ाव रहेगा। आज बाड़मेर, जोधपुर, जैसलमेर और जयपुर में न्यूनतम तापमान बढ़ गया। यहां रात में पारा 20 डिग्री सेल्सियस से ऊपर रहा। श्रीगंगानगर, कोटा, अजमेर और बीकानेर में भी आज न्यूनतम तापमान 15 डिग्री सेल्सियस से ऊपर रहा। सबसे कम तापमान सीकर में 10.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। जयपुर में आज न्यूनतम तापमान 4 डिग्री बढ़कर 20.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। जयपुर में अब दिन में तेज धूप रहने के कारण शाम को सर्दी का प्रभाव लगभग खत्म हो गया।

पश्चिम से आने लगी गर्म हवा: मौसम विशेषज्ञों की मानें तो अब धीरे-धीरे उत्तरी हवा का प्रभाव कम होने लगा है। पश्चिम से गर्म हवा आनी शुरू हो गई। इससे पश्चिमी राजस्थान (जैसलमेर, बाड़मेर, बीकानेर, जालोर, जोधपुर और फलोदी) में तापमान बढ़ने लगा है।

अर्चना सखी महिला मंडल द्वारा फाग महोत्सव मनाया

होली के गीतों से गूंजा आंगन, गुलाल एवं फूलों से होली खेली

टोंक. शाबाश इंडिया। अर्चना सखी महिला मंडल एवं आदिनाथ शुभकामना परिवार के सदस्यों द्वारा बड़जात्या सदन पुरानी टोंक में फाल्गुन शुक्ल ग्यारस के अवसर पर फाग महोत्सव मनाया गया । खुशी जैन ने बताया कि कार्यक्रम में सर्वप्रथम महावीर भगवान के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलन कर भक्तामर का पाठ एवं आदिनाथ चालीसा का वाचन किया गया तत्पश्चात होली के गीतों पर झूमते हुए महिलाओं ने फूलों एवं गुलाल से होली खेलकर फाग महोत्सव मनाया, इस अवसर पर होलिया में उड़े रे गुलाल,रंग मत डाले रे सांवरिया, नैना नीचा कर ले,रंग बरसे भीगे चुनरिया आदि गीतों पर महिलाओं ने नृत्य प्रस्तुत किया एवं एक दूजे के गुलाल लगाकर होली मनाई। इस अवसर पर खुशी जैन राधा के रूप में अंतिक्षा पाटनी कृष्ण के रूप में वेशभूषा धारण कर मनमोहक झांकी बनाई गई राधा-कृष्ण ने साथ मिलकर बहुत ही सुंदर मयूर नृत्य प्रस्तुत किया। सभी महिलाओं ने आपस में गले लगकर एक दूसरे को होली की बधाई दी महिलाओं ने विश्व व्यापी समस्या जल संकट को देखते हुए आगामी होली का त्योहार बिना जल के मनाने का संकल्प लिया इस अवसर पर संजू बिलासपुरिया प्रेमलता कम्मो बीना मंजू संतरा सुमन पिंकी मधु कुशल अनीता रिंकू प्रियंका सोनू संतोष मधु अंतिक्षा खुशी चारु शैली ईशा आदि मौजूद थी ।

आईपीएल 2024 : हरियाणवी में सहवाग और गुजराती में जडेजा करेंगे कमेंटरी

जियो सिनेमा 12 भाषाओं में उपलब्ध कराएगा मैच का आंखों देखा हाल

अभिनेता रवि किशन भोजपुरी फीड में अपनी अनूठी शैली और आवाज देने के लिए आएंगे वापस

मुंबई

जियो सिनेमा ने 2024 टाटा इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के लिए अपने विशेषज्ञों के पैनल में सुपरस्टारों को शामिल किया है। आईपीएल इस वर्ष अंग्रेजी, हिंदी, मराठी, हरियाणवी, गुजराती, भोजपुरी, पंजाबी, बंगाली, तमिल, तेलुगु, मलयालम और कन्नड़ समेत कुल 12 भाषाओं में उपलब्ध होगा। विश्व क्रिकेट के विस्फोटक बल्लेबाजों में से एक वीरेंद्र सहवाग जियो सिनेमा पर अब नई पारी शुरू करने जा रहे हैं, जिसमें वह अपनी स्थानीय बोली हरियाणवी में कॉमेंट्री करेंगे। 2012 आईपीएल फाइनल के मैन ऑफ द मैच मनविंदर बिस्ला भी हरियाणवी फीड में सहवाग के साथ शामिल होंगे। वायाकॉम 18 स्पोर्ट्स के हेड ऑफ कंटेंट सिद्धार्थ शर्मा ने बताया कि टाटा आईपीएल 2023 की हमारी गहन और व्यापक प्रस्तुति के लिए हमें जो प्रतिक्रिया मिली वह उत्साहजनक थी और हम टाटा आईपीएल 2024 के लिए अपने नवाचारों को दोगुना कर रहे हैं। अजय जड़ेजा भी गुजराती भाषा विशेषज्ञ के रूप में अपनी शुरूआत करेंगे। भारत के पूर्व कप्तान और एमआई एमिरेट्स के बल्लेबाजी कोच हिंदी और हैंगआउट फीड में भी दिखाई देंगे। वहीं, बंगाली कमेंट्री बॉक्स में सुभोमोय दास, श्रीवत्स गोस्वामी, अनुस्तुप मजूमदार और क्रिकेटर झूलन गोस्वामी मौजूद रहेंगे। इसी तरह अभिनेता रवि किशन, मोहम्मद सैफ, शिवम सिंह, सत्य प्रकाश और गुलाम हुसैन भोजपुरी भाषा में कमेंट्री करेंगे। तेलुगु में हनुमा विहारी, वेंकटपति राजू और अक्षत रेड्डी सहित अन्य लोग कमेंटरी करेंगे। विशेषज्ञ पैनल के अलावा, प्रसारक इस साल कुल 18 फीड पेश करेगा, जिसमें पिछले साल के लोकप्रिय इनसाइडर और हैंगआउट फीड के साथ-साथ हीरो कैम और वायरल वीकेंड जैसे नए फीचर्स शामिल होंगे।

गर्मियो मे गौरैया के लिए दाने पानी की व्यवस्था करें: जसवंत बिश्नोई

बोर्ड के अध्यक्ष जसवंत बिश्नोई ने किया विशेष पोस्टर का विमोचन

जयपुर. शाबाश इंडिया

राजस्थान राज्य जीव जंतु कल्याण बोर्ड, एनिमल वैल्फेयर बोर्ड ऑफ इंडिया, वाइल्डलाइफ क्राईम कंट्रोल ब्यूरो, जिला पशु क्रूरता निवारण समिति तथा प्रदेश में पर्यावरण संरक्षण के लिए कार्यरत वर्ल्ड संगठन के संयुक्त तत्वावधान में विश्व गौरैया दिवस के अवसर पर राज्य जीव जंतु कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष जसवन्त बिश्नोई तथा बोर्ड के सदस्य एवं भारतीय जीव जंतु कल्याण बोर्ड के प्रतिनिधि मनीष सक्सेना ने गौरैया संरक्षण हेतु विशेष पोस्टर का विमोचन किया एवं गौरैया संरक्षण हेतु कृत्रिम घोसले लगाये। राज्य जीव जंतु कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष जसवन्त बिश्नोई ने बतलाया कि आवासीय ह्रास, अनाज मे कीटनाशको के इस्तेमाल, आहार की कमी और मोबाइल टॉवरो से निकलने वाली सूक्ष्म तरंगे गौरैया के अस्तित्व के लिए खतरा बन रही है। गर्मियों में जैसे जैसे पारा चढेगा बेजुबान पक्षियों के लिए दाने पानी की समस्या बढ़ती जायेगी। प्रतिवर्ष गर्मियों मे दाने पानी के अभाव मे सैकड़ो पक्षियों की अकाल मौत हो जाती है अतः सभी नागरिकों से अपील है कि गर्मियों मे अपने घरो एवं आस पास के पेड़ों पर पक्षियों के लिए परिंडे बांधकर उसमे प्रतिदिन स्वच्छ जल भरे साथ ही पक्षियों के लिए दाने की व्यवस्था भी करे। भारतीय जीव जंतु कल्याण बोर्ड, भारत सरकार के प्रतिनिधि एवं राज्य जीव जंतु कल्याण बोर्ड के सदस्य मनीष सक्सेना के अनुसार गौरैया के अस्तिव पर खतरा मंडरा रहा है जो की प्राकृतिक संतुलन के लिए चेतावनी है। दुनिया भर मे गौरैया की 26 प्रजातियाँ है, जिसमे से 5 भारत मे पाई जाती है। गौरैया की आबादी मे 50 से 60 फीसदी तक की कमी आई है। यदि गौरैया संरक्षण के उचित प्रयास

नही किए गए तो हो सकता है कि गौरैया भविष्य की पीढियों को देखने को ही न मिले। ब्रिटेन की ''रॉयल सोसायटी ऑफ प्रोटेक्शन ऑफ बर्डस'' ने भारत से लेकर विश्व के विभिन्न हिस्सो से अनुसंधानकर्ताओ द्वारा किए गए अध्ययनो के आधार पर गौरैया को ''रेड लिस्ट'' मे डाला है। भारतीय जीव जंतु कल्याण बोर्ड के प्रतिनिधि एवं राज्य जीव जंतु कल्याण बोर्ड के सदस्य मनीष सक्सेना ने बतलाया कि शहरीकरण के कारण वृक्षों की अंधाधुंध कटाई व आधुनिक मकानों में गौरैया सहित अन्य पक्षियों के घौंसला बनाने के लिए कोई स्थान न होने के कारण उनमें बसने वाले पक्षियों का बसेरा उजड गया है।

सिद्ध चक्र महामंडल विधान महोत्सव का चतुर्थ दिवस

किशनगढ़, अजमेर. शाबाश इंडिया

श्री आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर जी सिटी रोड़ में फाल्गुन मास की अष्टमी से प्रारम्भ अष्टानिका पर्व के अंतर्गत अष्ट दिवसीय श्री सिद्धचक्र महामंडल विधान महोत्सव के आज चतुर्थ दिन बहुत भक्तिभाव से विधान की पूजन हुयी। कार्यक्रम संयोजक इंदर चंद पाटनी ने बताया की विधान के पूर्व प्रातःकाल श्रीमद देवाधिदेव 1008 श्री आदिनाथ भगवान का अभिषेक एवं शांतिधारा संपन्न हुई। जिसका पुण्यार्जन विधान के सोधर्म इन्द्र आर. के. मार्बल परिवार, यज्ञनायक आनंद कुमार कनकलता बज परिवार एवं प्रति इंद्र श्रीमती चांददेवी, गजेन्द्र, लोकेश, हार्दिक, रोनक, हितांश, रेखा एवं वैजन्तीमाला झांझरी परिवार को प्राप्त हुआ। तत्पश्चात विधान महोत्सव की पूजन प्रारंभ हुई इस विधान में श्रमण संस्कृति संस्थान सांगानेर से पधारे उपाचार्य डॉक्टर किरण प्रकाश शास्त्री, अभिषेक भैया एवं रोहित भैया एवं अनिरुद्ध भैया के मार्ग निर्देशन में एवं सुप्रसिद्ध संगीतकार अजीत पांडया की मधुर सवर लहरियों के बीच विधान पूजन संपन्न कराई गई। इस अवसर पर आदिनाथ पंचायत के अध्यक्ष प्रकाश चंद्र गंगवाल, , मंत्री विनोद चौधरी, उपमंत्री इंदरचंद पाटनी, विनय गगंवाल, मनोज बडजात्या, संजय जांझरी, घीसालाल बडजात्या, महेंद्र गंगवाल, नरेश दगडा, नौरतमल पाटनी, राकेश पाटनी, आनंद कुमार बज, सुमेर पाटोदी, राकेश पहाड़िया, कमल सेठी, रतन दगडा , कैलाश चंद पहाडियां, जितेंद्र पाटनी, सुमेर अजमेरा, देवेन्द्र झांझरी के साथ श्रीमती शांता पाटनी, शुचि पाटनी, सुनिता काला, शशिप्रभा बज, जूली चौधरी, कुसुम कटारिया, सिंपल बाकलीवाल, मोना झांझरी,चांददेवी कासलीवाल, शांति देवी, रश्मि छाबड़ा, पुष्पा सेठी, सरिता पाटनी, निर्मला पाटनी, रेखा झांझरी सहित अनेक श्रावक श्राविकाएं उपस्थित रहे।

सांयकालीन महाआरती एवं सांस्कृतिक संध्या

सांस्कृतिक कार्यक्रम संयोजक मोना झांझरी ने बताया कि शांतिनाथ महिला मंडल की अध्यक्ष

प्रेम बाकलीवाल के निर्देशन में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी गई सर्वप्रथम विप्रा जैन एवं किया जैन के द्वारा मंगलाचरण की प्रस्तुति दी गई उसके बाद एक बहुत ही सुंदर भगवान की वंदना पर आधारित एक भक्ति नृत्य श्वेता, चेल्सी, प्रिया जैन ने प्रस्तुत किया। उसके बाद रेखा बाकलीवाल एवं श्वेता पाटनी ने 'सोनागिर के दर्शन की अभिलाषा' एक नृत्य नाटिका की प्रस्तुति दी अंत में आचार्य विद्यासागर जी के अनमोल क्षणों के ऊपर हिना जैन एवं दीक्षा जैन द्वारा एक भव्य प्रस्तुति दी गई कार्यक्रम में सुशीला पाटनी, शांता पाटनी, प्रेम जैन, मंजुला सेठी, पुष्पा पटौदी, सुमन पटौदी, मुन्नी दगडा, मधु जैन, मोना झांझरी, विभा गंगवाल, गुणमाला पाटनी, प्रियंका जैन, शर्मिला दोषी, निर्मला पाटनी, सीमा गोधा, पिंकी पाटनी, सरिता पहाड़िया, नवरत्न दगड़ा, शांति बड़जात्या, बीना झांझरी, नीतू गंगवाल, उषा गोधा, सारिका छाबड़ा, संगीता पापड़ीवाल, मंजू गोधा, सुशीला चौधरी, कुसुम कटारिया, जुली चौधरी, कनकलता बज, रेखा बाकलीवाल, कल्पना जैन, डॉली पाटनी, सुनीता गंगवाल, शशिप्रभा बज, ममता अजमेरा, निशा रारा, सरिता पाटनी आदि अनेक महिला सदस्य उपस्थित रहे। विधान संयोजक इंदरचंद पाटनी ने बताया कि विधान बहुत ही धूमधाम से भक्तिभाव से पूरी तन्मयता के साथ हो रहा है। आज विधान में विनय पाठ, देव शास्त्र गुरु, आदिनाथ भगवान की पूजा, नवदेवता पूजन के बाद श्री सिद्ध चक्र विधान की पूजन की गयी। मंडल जी पर चतुर्थ वलय के 64 रिद्धि के 64 अर्घ्य समर्पित किए गए। कल बुधवार के प्रति इन्द्र श्रीमति बिमला देवी, संजय, अंतिमा झांझरी परिवार लिचाणा वाले होंगे।

गुरुमाँ विज्ञाश्री माताजी का हुआ विशुद्ध रत्नत्रय मुनिराजों से वात्सल्य मिलन उत्सव

गुंसी, निवाई. शाबाश इंडिया

श्री दिगम्बर जैन सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ, गुन्सी (राज.) के तत्त्वावधान में गणाचार्य 108 श्री विराग सागर जी महामुनिराज की सुविज्ञ शिष्या श्रमणी गणिनी आर्यिका 105 विज्ञाश्री माताजी ससंघ का श्रमणाचार्य 108 श्री विशुद्ध सागर जी महाराज के परम शिष्य मुनिश्री अनुपम सागर जी, मुनिश्री समत्व सागर जी एवं मुनिश्री यतीन्द्र सागर जी महाराज से पावन वात्सल्य मिलन महोत्सव सानंद सम्पन्न हुआ। पूज्य आर्यिका विज्ञाश्री माताजी ससंघ ने भक्तिभावों के साथ त्रय मुनिराजों की आगवानी करने का परम सौभाग्य प्राप्त किया। तत्पश्चात गुरु भक्तों ने संतों के पाद प्रक्षालन, आहारचर्या कराने का सौभाग्य प्राप्त किया। गुरूभक्तों को त्रय मुनिराजों ने एवं पूज्य गुरुमाँ ने धर्मोपदेश रूपी अमृत का पान कराकर धन्य धन्य किया। पूज्य माताजी ने कहा कि रत्नत्रय रूप में त्रय मुनिराजों का मिलन साक्षात रत्नत्रय में रूपान्तरित होकर मोक्ष सुख प्राप्त करने की भावना अंतरंग में लहराये। मुनिश्री ने उपदेश देते हुए कहा कि- बचपन में पूज्य माताजी ने जो धर्म का उपदेश देकर जो उपकार किया है, उसी का प्रतिफल आज हम इस परम निर्ग्रन्थ अवस्था को प्राप्त हो चुके हैं। त्रय मुनियों ने निर्माणाधीन सहस्त्रकूट जिनालय का अवलोकन कर एवं श्री शांतिनाथ चैत्यालय का अवलोकन कर सातिशय पुण्य की खूब अनुमोदना की।

विश्व हैपीनेस दिवस व ढुंढ पर नवजात शिशुओं को बेबी किट वितरण

कुचामन सिटी. शाबाश इंडिया

सबको प्यार सबकी सेवा जीवों ओर जीने दो के उद्देश्यो से चलने वाली संस्था महावीर इंटरनेशनल कुचामन सिटी द्वारा विश्व हैप्पीनेस व दिवस राजस्थान का प्रमुख पर्व ढुंढ पर राजकीय चिकित्सालय में नवजात शिशीओ संक्रमण के बचाव हेतु मेडिकेटेड हाईजेनिक बैबी किट डॉक्टर कल्पना गुप्ता, डॉक्टर हरीश ढाका, वीर नरेश जैन की सुपुत्री डॉक्टर आस्था जैन, के सानिध्य में वितरित किए। इस अवसर पर वीर रामावतार गोयल, वीर अजीत पहाड़िया, वीर सुरेश गंगवाल,वीर नरेश जैन, वीर आनंद सेठी, वीर विकास पाटनी, वीर विशाल काला, वीर कार्तिक गोयल, वीर आकाश पहाड़िया, वीरा सरोज पाटनी, वीरा मनीषा कल्पना पहाड़िया, निर्मल पटवारी, उपस्थित रहे । गवर्निंग काउंसिल मेम्बर वीर सुभाष चन्द्र पहाड़ियां ने सभी के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया।

वेद ज्ञान

पूरा ब्रह्मांड एक है...

कोई भक्त परमात्मा के प्रति पूर्णरूप से समर्पित हो जाता है तो फिर उसके पास कोई तर्क नहीं रहता। इसके बाद उसके मन में किसी प्रकार की भावना नहीं आती। इससे यह भी सिद्ध होता है कि संसार का प्रत्येक कण परमात्मा के इशारे पर चलता है। यह अलग बात है कि परमात्मा को कभी हम वृक्ष के रूप में देखते हैं तो कभी पहाड़ के रूप में। कभी मनुष्य के रूप में देखते हैं तो कभी पशु-पक्षी के रूप में। इस प्रकार हमारे देखने की विधि हर जगह अलग-अलग होती है, लेकिन उस परमात्म-तत्व में कोई अंतर नहीं आता है। रसायन शास्त्र के अनुसार पूरा ब्रह्मांड एक है। हिमालय के पहाड़ हों या घास का कोई मैदान, इन सबमें कोई अंतर नहीं होता। हम अध्यात्म की प्रयोगशाला में इन तमाम वस्तुओं को रखते हैं तो स्पष्ट हो जाता है कि विज्ञान यहां नहीं पहुंच रहा है। इस संसार का एक-एक कण, उसी परमात्म शक्ति से संचालित हो रहा है। वैज्ञानिकों का मानना है कि यह ब्रह्मांड अद्भुत है। इसमें करोड़ों आकाश गंगाएं हैं। हमारे सौरमंडल से भी बड़े ग्रह हैं। ब्लैक होल्स हैं, जिनमें बड़े से बड़े ग्रह समा जाते हैं। खगोल शास्त्रियों का कहना है कि इस असीमित ब्रह्मांड में एक ऐसी अदृश्य शक्ति है, जो इसका संचालन कर रही है। महानतम वैज्ञानिक अल्बर्ट आइंस्टीन भी इस तथ्य को मानते थे कि ऐसा लगता है कि कोई अदृश्य शक्ति इस अद्भुत ब्रह्मांड को संचालित कर रही है। मनुष्य कहता है कि मेरे पास पांच ज्ञान इंद्रियां, पांच कर्म इंद्रियां और एक मन है। कुल मिलाकर ग्यारह हुए। जिनके पास ये सारे के सारे हो जाएं, वह अपने चारों ओर एक लकीर खींचकर खड़ा हो जाता है कि हम मनुष्य हैं। पशु-पक्षियों की तुलना में हम बड़े ही सभ्य, विचारवान व गहरी समझ वाले हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि पशु-पक्षियों के पास भी इंद्रियां होती हैं। विज्ञान भी मानता है कि मनुष्य, वनस्पतियों और कुदरत पर ब्रह्मांड के ग्रहों का प्रभाव पड़ता है। यदि हम सूर्य से प्रभावित होते हैं तो सूर्य भी हमसे अवश्य प्रभावित होता रहता है। यह बहुत गहरा विज्ञान है। दरअसल विज्ञान और अध्यात्म का एक ही अंतिम लक्ष्य है। वह है सत्य का खुलासा करना। फर्क सिर्फ यही है कि विज्ञान जहां भौतिक पदार्थों का अध्ययन करता है वहीं अध्यात्म चेतना का विज्ञान है।

संपादकीय

स्थानांतरण से चुनाव में निष्पक्षता की गारंटी नहीं

आम चुनाव की तारीखों का एलान करने के साथ ही निर्वाचन आयोग ने गुजरात, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के गृह सचिवों को हटाने का निर्देश जारी कर दिया। इसके अलावा मिजोरम और हिमाचल प्रदेश के सामान्य विभाग के सचिवों को भी हटाने का आदेश दे दिया। अब इस फैसले को राजनीतिक रंग देने की कोशिश की जा रही है। खासकर पश्चिम बंगाल सरकार इसे लेकर पक्षपात का आरोप लगा रही है। हालांकि चुनाव की तारीखें घोषित होने से पहले ही निर्वाचन आयोग ने सभी राज्य सरकारों को निर्देश दिया था कि वे चुनाव संबंधी कार्यों से जुड़े उन अधिकारियों का तबादला करें, जिन्होंने अपने पद पर तीन वर्ष का समय पूरा कर लिया है या जो अपने गृह जिलों में तैनात हैं। मगर राज्य सरकारों ने उस निर्देश पर अमल नहीं किया था। उत्तर प्रदेश सरकार भी नहीं चाहती थी कि उसके गृह सचिव को हटाया जाए, मगर निर्वाचन आयोग ने उसकी दलील नहीं मानी। छिपी बात नहीं है कि चुनाव में शीर्ष अधिकारियों की बड़ी भूमिका होती है। गृह सचिव राज्यों में और जिलाधिकारी जिलों में निर्वाचन आयोग के प्रतिनिधि होते हैं। इसलिए अगर वे निष्पक्ष नहीं होंगे, तो उन जगहों पर चुनाव प्रक्रिया की निष्पक्षता पर सवाल उठेंगे ही। इसलिए निर्वाचन आयोग ने छह राज्यों के गृह सचिवों और पश्चिम बंगाल के पुलिस आयुक्त को हटा दिया। हालांकि यह न तो पहली बार हुआ है और न कानून की नजर में कोई गलत कदम है। जहां भी निर्वाचन आयोग को लगता है कि कोई अधिकारी चुनाव में निष्पक्ष भूमिका नहीं निभा सकता या निभा रहा, तो वह उसे हटा कर उसकी जगह दूसरे अधिकारी को नियुक्त कर सकता है। राजनीतिक दलों की शिकायतों के मद्देनजर चुनाव प्रक्रिया के दौरान भी कई बार अधिकारियों को बदल दिया जाता है। अभी जिन राज्यों के गृह सचिवों और पश्चिम बंगाल के पुलिस आयुक्त को हटाया गया, उनके बारे में पहले से राजनीतिक दल शक जाहिर कर रहे थे। उनकी संबंधित राज्य सरकारों के प्रति अधिक निष्ठा देखी जा रही थी। पश्चिम बंगाल के पुलिस आयुक्त तो काफी समय से विवादों में घिरे थे। उनके खिलाफ सीबीआइ ने शिकंजा कसने की कोशिश की थी, तब मुख्यमंत्री खुद धरने पर बैठ गई थीं। ऐसे में भला उन पर कैसे भरोसा किया जा सकता था कि वे स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने में सहयोग करेंगे, राज्य सरकार की मर्जी के अनुरूप काम नहीं करेंगे। उनके खिलाफ कांग्रेस ने भी शिकायत दर्ज कराई थी। उत्तर प्रदेश के गृह सचिव को लेकर भी इसी तरह की आशंकाएं जाहिर की जा रही थीं। ऐसे समय में, जब विपक्षी दल मतदान मशीनों में गड़बड़ी की आशंका जताते हुए आंदोलन पर उतरे हुए हैं, बड़े जन समुदाय में भी चुनाव प्रक्रिया पर संदेह पैदा हो गया है, तब ऐसे अधिकारियों को उनके पद पर बनाए रखना किसी भी रूप में उचित नहीं कहा जा सकता, जिनका आचरण संदिग्ध माना जाता रहा है। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

पुतिन की जीत

रूस के राष्ट्रपति-चुनाव में एक बार फिर व्लादिमीर पुतिन को जीत मिली है। यह अस्वाभाविक भी नहीं है। चुनाव के पहले से कयास यही थे कि उनको कोई खास प्रतिरोध नहीं मिलेगा। वैसा ही हुआ है। करीब 87 फीसदी मत-प्रतिशत हासिल करके पुतिन अगले छह साल के लिए फिर से क्रेमलिन में पहुंच गए हैं। दिसंबर, 1999 के बाद से राष्ट्रपति या प्रधानमंत्री के रूप में रूसी सत्ता के केंद्र में रहने वाले पुतिन इस बार कहीं अधिक मजबूत बनकर उभरे हैं। स्थिति यह है कि यूक्रेनी दावा वाले इलाकों में, जहां पर रूसी आबादी अधिक है, वहां भी चुनाव में उन्हें जीत मिली है। यह चुनाव बताता है कि यूक्रेन युद्ध पर रूसी मतदाता पुतिन की नीति को सही मान रहे हैं। यह युद्ध चुनाव में एक बड़ा मुद्दा था। यही कारण है कि चुनाव की पूर्व-संध्या पर लोगों को संबोधित करते हुए पुतिन ने यह उम्मीद जताई थी कि लोग उनके द्वारा किए जा रहे प्रयासों को समझेंगे और चुनौतियों से पार पाने के लिए कहीं अधिक एकजुट और आत्मविश्वासी बनकर उनके पक्ष में मत डालेंगे। अब जबकि चुनाव का परिणाम आ गया है, तो हो सकता है कि वह अपने कुछ वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों को बदल दें, ताकि युद्ध को आखिरी चरण में ले जाया जा सके। बेशक, चुनाव जीतने के बाद अपने पहले संबोधन में उन्होंने तीसरे महायुद्ध की आशंका जताई है, लेकिन कम से कम अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव तक वह इस ज्वाला को शायद ही तेज करेंगे। रूस के लिए अमेरिकी चुनाव कितना अहम होता है, इसका एहसास इसी से कर सकते हैं कि पहले के अमेरिकी चुनाव में मास्को के हस्तक्षेप के आरोप उछले थे। हालांकि, इस बार पुतिन ने एक साक्षात्कार में स्पष्ट कहा है कि अमेरिकी चुनाव के नतीजों में उनकी कोई रुचि नहीं। फिर भी, माना यही जाना चाहिए कि अमेरिका की दशा-दिशा देखने के बाद ही रूस अगला कोई बड़ा कदम उठाएगा। हां, इस बीच पुतिन ऐसी नीति जरूर अपना सकते हैं कि यदि यूक्रेन आगे बढ़ता है, तो रूस अधिक आक्रामक होकर जवाब दे सके। पुतिन की सरपरस्ती में रूस ने खुद को कितना बदला है, इसके लिए मैं आपको पिछली सदी के आखिरी दशक में ले चलता हूं। मैं उन दिनों सेंट पीटर्सबर्ग में था। तब तक यूरोपीय संघ अस्तित्व में आ गया था, और एक तरह से वह खुद को तीसरा ध्रुव बनाने की कोशिशों में जुटा हुआ था। उधर, सोवियत संघ के पतन के बाद रूस दूसरे ध्रुव के रूप में अपनी दावेदारी मजबूत कर रहा था। उसकी मंशा यूरोपीय देशों के साथ संस्थागत रूप से जुड़ने की थी। यह वही दौर था, जब व्लादिमीर पुतिन ने पहली बार रूस की सत्ता संभाली थी। पुतिन की ताजपोशी के बाद रूस की नीति में एक बड़ा बदलाव यह आया कि उसने पूरब और पश्चिम, दोनों को देखना शुरू किया। इसका उसे फायदा भी मिला है। हालांकि, अब उसके लिए बीच का यह रास्ता करीब-करीब बंद हो चुका है। रूस भले आज भी यूरोपीय देशों को गैस बेच रहा है, पर यूक्रेन संकट के कारण उसकी आपूर्ति शृंखला प्रभावित हुई है और पश्चिमी यूरोप की भी उस पर निर्भरता कम हुई है। पुतिन को अपने नए कार्यकाल में इस चुनौती से भी पार पाना होगा। वैसे, भारत भी रूस के लिए काफी अहमियत रखता है। हमने यह देखा है कि किस तरह से रूस और यूक्रेन के नेताओं से बातचीत करके हमारे प्रधानमंत्री ने शांति बनाने का प्रयास किया था। हालांकि, ईरान, चीन और उत्तर कोरिया से मास्को के रिश्ते बेहतर बन रहे हैं, लेकिन ये ऐसे देश हैं, जो खुद प्रतिबंधित होते रहे हैं। ऐसे में, भारत चाहे तो रूस से अपने आर्थिक संबंध बनाए रखते हुए बुनियादी ढांचे के विकास में उसकी मदद ले सकता है।

मानव ऑर्गनाइजेशन की पहल ला रही रंग गौरैया की चहचहाहट लौट रही है...

घोंसले बांटकर गौरेया को बचाने की पहल ला रही है रंग

ललितपुर. शाबाश इंडिया

घर के आंगन में बच्चों की तरह पक्षियों की चहचाहट और उनके संरक्षण के उद्देश्य को लेकर नगर की पर्यावरण प्रेमी संस्था मानव ऑर्गनाइजेशन ने सकारात्मक पहल शुरू की है। वर्ष 2012 से गौरेया संरक्षण की दिशा में की जा रही उनकी पहल रंग ला रही है। मानव ऑर्गनाइजेशन जहाँ गौरेया को बचाने के लिए निरंतर स्कूली बच्चों, कॉलेजों , विभिन्न ऑफिस आदि में घोंसले प्रदान करती है वहीं भीषण गर्मी में पशु पक्षियों को दाना पानी रखने की भी अपील करती रहती है। वहीं गली मोहल्ले, वृक्षों में जाकर घोषले लगाने, बाटने का क्रम निरन्तर चलता रहता है, बुधवार को विश्व गौरैया दिवस पर उत्कर्ष समूह द्वारा मानव ऑर्गनाइजेशन को गौरैया संरक्षण की दिशा में 2012 से निरंतर किए जा रहे उल्लेखनीय

कार्य के लिए सम्मानित किया गया। इस मौके पर उत्कर्ष समूह के निर्देशक डॉ सुनील संचय ने मानव ऑर्गनाइजेशन के अध्यक्ष अधिवक्ता पुष्पेन्द्र सिंह चौहान व सचिन जैन बॉस को शाल, श्रीफल, माला, अंग वस्त्र, साहित्य, स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया। इस मौके पर परिचर्चा में मानव ऑर्गनाइजेशन के अध्यक्ष अधिवक्ता पुष्पेन्द्र सिंह चौहान ने बताया कि घरों के बाहर पक्षियों का आशियाना बनाने के लिए लकड़ी के बॉक्स (घोंसले) बनाकर लोगों को निःशुल्क बांटते हैं, स्कुलों, ऑफिस आदि में घोंसले बाटने का क्रम निरन्तर चलता रहता है। ताकि शहरीय क्षेत्र में भी पक्षियों की चहचाहट सुनाई दे। शहरीय क्षेत्र में पेड़ों की संख्या कम हुई है। वहीं घरों में पक्षी घोंसला बनाते हैं तो लोग उन्हें हटा देते हैं। ऐसे में पक्षी गर्मी और बारिश के मौसम में परेशान हो रहे हैं। यही कारण है कि पक्षी जंगलों का रूख कर रहे हैं। शहर में पक्षियों की तादात बढ़ाने के लिए यह बॉक्स बना रहा हूं। ताकि लोग घरों के बाहर इन्हें रखे। इनमें पक्षी रहेंगे और अपना घोंसला बनाएंगे। जिससे हर घर के आंगन में पक्षियों की चहचाहट सुनाई देगी। घरों में कृत्रिम घोंसले और छतों पर पानी रखकर गौरैया को विलुप्ति से बचाएं। उत्कर्ष समूह के निर्देशक पर्यावरण सचेतक डॉ सुनील संचय ने बताया कि लोगों की जिम्मेदारी है कि वे पक्षियों के लिए दाना व पानी की उचित व्यवस्था कर अपने जिम्मेदारी का निर्वाहन करें। ताकि खुले आसमान और धूप में विचरण करने वाले पंछियों को राहत मिल सके। मैं हमेशा ही पक्षियों के लिए छत पर दाना-पानी तथा अपने आवास के बाहर पशुओं को पानी की व्यवस्था रखता हूँ। यह मेरी प्रतिदिन की दिनचर्या में शामिल है।

आचार्य श्री के दिए हुए सूत्र ही मंत्र बनेंगे और उन मंत्रो को हम सिद्ध करेगे: निर्यापक मुनिपुंगव श्री सुधासागर जी महाराज

छतरपुर. शाबाश इंडिया

द्रव्य वस्तु शाश्वत है, अविनाशी है लेकिन उसकी पहचान क्या है पूज्य उमास्वामी मुनिराज ने उसकी पहचान बताई कि यदि अविनाशी को जानना चाहते हो तो विनाश को जानों, विनाश का सामना करने की हिम्मत करो, विनाश को जीवन मे अनुभव में लाओ तो हमें अविनाश का दर्शन होगा। सूर्य आता है और जाते-जाते करोड़ों की सम्पदा तुम्हारी तिजोरियों में छोड़कर जाता है तो यही स्थिति दुनिया की, अपनी जिंदगी की और धर्म की बनती है। जिंदगी में व्यक्ति अवसान लेता है लेकिन एक वंश को स्थापित करके जाता है। जीवन मे जो जीते जी ही रहते है उसे संस्कार कहते है और मरने के बाद जो जीवित रहती है उसे संस्कृति कहते हैं। संस्कार से स्वयं का उद्धार होता है और संस्कृति से जगत का उद्धार होता है। हमने त्याग किया, हमने पूजा भक्ति की तो हमारा कल्याण होगा लेकिन जब आपने जो संस्कार लिए है, उन संस्कारो को कोई पीछे वाला स्वीकार कर ले तो तुम मरने के बाद भी अमर हो गए। तुम्हें अमर नहीं होना है, तुम्हारे धर्म को अमर होना चाहिए। तुम गृहस्थ हो, आधी जिंदगी के बाद स्वयं की चिंता नही करते हो, तुम उसकी चिंता करते हो, जो तुम्हारे मरने के बाद तुम्हारे नाम से दुनिया रहेगा, जिसका नाम आप सन्तान कहते है। जब किसी का संस्कार, संस्कृति बन जाता है, उसी पर लिखें जाते है पुराण, उसी को बोलते है कथा, उस कथा को वाचने मात्र से संसार के पाप व अंधकार दूर हो जाते है। तुमको सोचना है भारत में तुम्हारा गौरव जीवित रहे, जिस पर तुमने गर्व किया है। आपने जिंदगी में जो कुछ भी कर लिया हो, वो आज तक कर लिया, आगे अब आपको वो सोचना है यदि तुम्हारी जिंदगी में तुमने कुछ अच्छा किया हो कि मैंने जैनकुल में जन्म लिया तो मरने के पहले उस व्यक्ति को ऐसा संस्कार देकर जाना कि तुम्हारे मरने के बाद गर्व करे कि मैंने ऐसे पिता के यहाँ जन्म लिया। यदि हीरा न बने सको तो जौहरी बनकर हीरा को पहचान लेना, मैं हीरा तो न बना सका भगवान लेकिन मुझे गर्व कि मैं आप जैसे हीरे को पहचान गया, मैं जौहरी हूँ क्योंकि हीरा का मूल्य तो जौहरी ही आंकता है। आधी जिंदगी तुम भगवान को पहचानने में, संस्कार में लगा दो और आधी जिंदगी ऐसा करो कि तुम्हारे जाने के बाद तुम्हारे वंश में भी लोग गर्व करे कि हे जिनेन्द्र देव आज हम आपके चरणों तक आ सके है, ये हमारे मम्मी पापा का परिणाम है। हमारे घर मे चौका लगता है, आहार देते हो ये संस्कार है, इससे कल्याण तुम्हारा होगा लेकिन घर को ऐसा बनाके जाओ कि तुम्हारे बाद भी वो लग रहे, वो बहु कहे कि ये वसीयत मुझे सासु से संस्कृति के रूप में मिली और वो संस्कृति ही हमारी सम्पदा है। सुबह से यदि आचार्य श्री का नाम आ गया तो क्या भाव आता है कि धन्य हो गया उसमे भी दर्शन हो गया तो, आशीर्वाद मिल गया तो धन्य धन्य की अनुभूति होती है और अपन वो सौभाग्यशाली है कि अपन को तीनों मिले। आचार्य श्री के दिए हुए सूत्र ही मंत्र बनेंगे और उन मंत्रो को हम सिद्ध करेगे। सारा जगत तो आचार्यो को आचार्य मानता है, मुनियो को मुनि मानता है लेकिन ये बुंदेलखंड आचार्य श्री को भगवान मानता है।

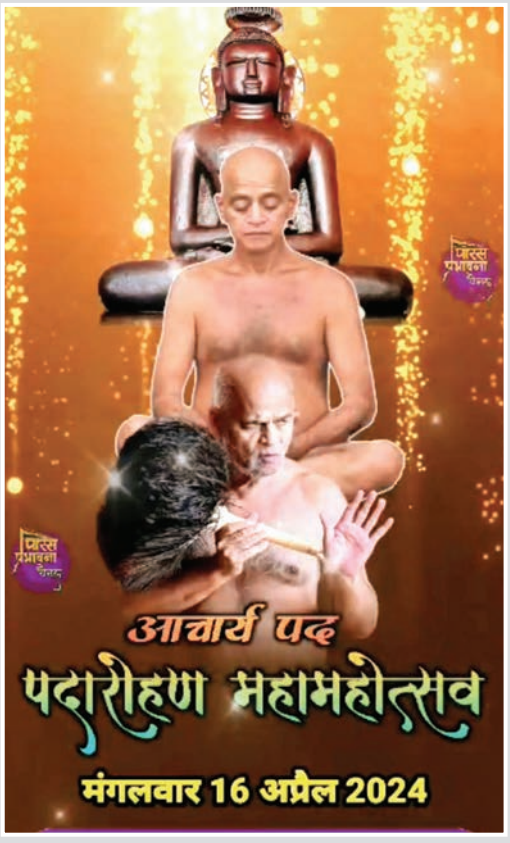

Shri Mahaveer Digamber Jain Senior Secondary School

(ENGLISH MEDIUM SCHOOL AFFILIATED TO R.B.S.E.)

Under the aegis of SHRI MAHAVEER DIGAMBER JAIN SHIKSHA PARISHAD

2024-25
ADMISSIONS
OPEN NOW

Classes : I to IX & XI

Science
Commerce
Humanities

Facilities

- State of the Art Infrastructure
- Digital Smart Classrooms (In class I-X)
- Excellence in Academics • Sports Facilities
- Coding Lab • Modern Computer Lab
- Well-Equipped Science Labs
- Huge Playground • Bimal Cricket Academy

Special Features

Free Education for wards of Martyrs
50% concession for wards of Armed Forces Personnel
25% concession for Jain Boy Students (New Admission)
25% concession for Girl Students

Registration forms available at School Reception Counter on all working days from 09:30 a.m. - 01:00 p.m.
Website : www.mahaveerschooljaipur.org

Gate No.1, Mahaveer Marg, C-Scheme, Jaipur 302001
0141-2376924 smdjhsschool@gmail.com
www.mahaveerschooljaipur.org

Contact us now
+91-99285 72008

103 वर्ष

103 वर्ष
प्राचीन दिगम्बर जैन समाज की
स्वयंसेवी संस्था
श्री वीर सेवक मण्डल, जयपुर

चंग ढप और मारवाड़ी नृत्य के साथ विशेष प्रस्तुति

फूलों की रंगारंग होली

शनिवार, दिनांक 23 मार्च, 2024 ■ सायं 7.30 बजे से
स्थान : महावीर स्कूल प्रांगण, सी-स्कीम, जयपुर

समारोह के गौरवमयी अतिथिगण

अध्यक्षता	श्रेष्ठी श्री शांति कुमार जी श्रीमती ममता जी सौंगानी (जापानवाले)
मुख्य अतिथि	श्रेष्ठी श्री सुनील जी - श्रीमती निशा जी पहाड़िया (अक्षत अर्पाटमेंट)
दीप प्रज्ज्वलनकर्त्ता	श्रेष्ठी सारसमलजी कमला देवी जी पदम कुमार जी भावना जी अतिशय जी झांझरी
विशिष्ट अतिथि	श्रेष्ठी श्री उमरावमल जी नवीन जी संघी

आप सपरिवार इष्टमित्रों सहित सादर आमंत्रित है।

कार्यक्रम संयोजक
प्रदीप गोधा

कार्यक्रम सह-संयोजक
नरेश कासलीवाल

श्री वीर सेवक मण्डल, जयपुर

महेश काला अध्यक्ष	प्रदीप गोधा उपाध्यक्ष	भानु कुमार छाबड़ा मानद् मंत्री
सुरेश भौंच संयुक्त मंत्री	राकेश छाबड़ा कोषाध्यक्ष	शरद बाकलीवाल स्टोर इंचाज

कार्यकारिणी सदस्य
अरुण कोड़ीवाल • नरेश कासलीवाल • महेश बाकलीवाल • संजय पाण्ड्या
कांतिचन्द नृपत्या • योगेश टोडरका • प्रकाश गंगवाल • मितेश ठोलिया

स्वांस की समस्या के लिए रामबाण है कांकड़ासिंगी

डॉ पीयूष त्रिवेदी
आयुर्वेदाचार्य
चिकित्साधिकारी राजकीय
आयुर्वेद चिकित्सालय राजस्थान
विधानसभा,जयपुर।
9828011871

बदलता मौसम अपने साथ सेहत संबंधी कई समस्याएं लेकर आता है, खासकर सांस संबंधी समस्याएं तो इस मौसम में लोगों को बहुत परेशान करती हैं। इसलिए जिन लोगों को अस्थमा, साइनस और क्रोनिक ब्रोंकाइटिस जैसी समस्याएं होती हैं उनके लिए यह मौसम काफी चुनौतिपूर्ण बन जाता है। ऐसा इसलिए क्योंकि इस मौसम में गिरता तापमान इन समस्याओं को बढ़ाने का काम करता है। वहीं देखा जाए तो इन समस्याओं के लिए एलोपैथिक दवाओं का बहुत अधिक प्रयोग हानिकारक होता है, ऐसे में इससे निजात के लिए आयुर्वेद ही विकल्प बचता है। आयुर्वेद चिकित्सा विधि न सिर्फ सुरक्षित मानी जाती है बल्कि इसमें मौजूद कई सारी जड़ी-बूटियां श्वसन यानी की सांस संबंधी समस्याओं में संजीवनी की तरह काम करती है। ऐसी ही एक जड़ी बूटी के बारे में यहां हम आपको बता रहे हैं जो सांसों की समस्याओं के लिए रामबाण माना जाती है।

औषधीय गुणों से भरपूर है काकड़ासिंगी

असल में हम बात कर रहे हैं कर्कटश्रृंगी की जिसे हिंदी की सामान्य बोलचाल की भाषा में ''काकड़ासिंगी'' के नाम से जानते हैं, जबकि अंग्रेजी में गाल प्लान्ट कहते हैं। बता दें कि चरक, सुश्रुत जैसे प्राचीन आयुवेर्दीय ग्रंथों में भी काकड़ासिंगी के औषधीय गुणों की वर्णन मिलता है, जहां बताया गया है कि यह सामान्य सर्दी-जुकाम से लेकर सांस संबंधी समस्याओं से निजात पाने के लिए काफी कारगर साबित होता है। दरअसल, यह शरीर में वात और कफ के असंतुलन को कम करने में सहायक होता है, जिससे सांस संबंधी समस्याओं के साथ ही रक्तदोष और अतिसार यानी डायरिया में आराम मिलता है।

कैसे करें इस औषधि का प्रयोग

अब अगर आयुर्वेद से अलग सामान्य भाषा में काकड़ासिंगी के लाभ को समझें तो एंटीबैक्टीरियल और एंटीइंफ्लेमेटरी गुणों के कारण यह सर्दी-जुकाम, सांस संबंधी समस्याओं के साथ ही पेट से जुड़ी बीमारियों के रोकथाम में असरदार साबित होता है। दरअसल, काकड़ासिंगी में कैरोटेन, ग्लूटामाइन, एस्कॉर्बिक एसिड और निकोटिन एसिड जैसे कम्पाउंड मौजूद होते हैं। इसके कारण सर्दियों के दिनों में इसके प्रयोग से शरीर की रोग प्रतिरोधक बढ़ती है। बात करें इस औषधि के प्रयोग या इस्तेमाल की तो इसकी छाल, पत्तियां और जड़े तीनों प्रयोग में लाई जाती हैं। वहीं बाजार में इसकी लकड़ी के छाल का चूर्ण, पाउडर के रूप में मिलता है जिसे आप आसानी से ऑनलाइन खरीद सकते हैं। अलग-अलग समस्याओं में इसका प्रयोग अलग-अलग तरीके से किया जाता है। तो चलिए जान लेते हैं काकड़ासिंगी किन तरह की समस्याओं में प्रयोग की जा सकती है।

1) सांस संबंधी समस्याओं से निजात

काकड़ासिंगी के छाल और जड़ों के चूर्ण का सेवन करने से श्वास नली में मौजूद म्यूकस पतला होकर निकल जाता है। इससे ढंड में सांस लेने में होने वाली दिक्कत काफी हद तक कम हो जाती है।

2) त्वचा के संक्रमण में राहत

काकड़ासिंगी की पत्तियां स्किन के लिए बेहद लाभकारी होती हैं, दरअसल, इसकी पत्तियों को पीसकर लगाने से त्वचा के संक्रमण में राहत मिलती है।

3) फर्टिलिटी बढ़ाने में मददगार

काकड़ासिंगी की छाल के सेवन से पुरुषों में टेस्टेस्टोरॉन हार्मोन की वृद्धि होती है, जिससे फर्टिलिटी बढ़ती है।

4) बलगम वाली खांसी में राहत

छोटे बच्चों को ठंड में बलगम वाली खांसी आने के साथ ही उल्टी करने की समस्या आती है। ऐसे में उनके लिए काकड़ासिंगी के साथ शहद का सेवन करने से काफी हद राहत मिलती है।

डिस्क्लेमर: प्रस्तुत लेख में सुझाए गए टिप्स और सलाह केवल आम जानकारी के लिए हैं और इसे पेशेवर चिकित्सा सलाह के रूप में नहीं लिया जा सकता। किसी भी तरह का फिटनेस प्रोग्राम शुरू करने अथवा अपनी डाइट में किसी तरह का बदलाव करने से पहले अपने डॉक्टर से परामर्श जरूर लें।

डा पीयूष त्रिवेदी
आयुर्वेद चिकित्सा प्रभारी
राजस्थान विधान सभा जयपुर।

महावीर इंटरनेशनल ग्रेटर जयपुर की साधारण सभा संपन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया

महावीर इंटरनेशनल ग्रेटर जयपुर की आज जन उपयोगी भवन, जवाहर नगर में साधारण सभा का सफल आयोजन किया गया जिसमें गेट टू गेदर व मनोरंजन कार्यक्रम भी रखे गए। सचिव वीर राजेश बड़जात्या ने अवगत कराया की सभा की अध्यक्षता उपाध्यक्ष वीर डॉ राजेन्द्र कुमार जैन ने की तथा सहयोग उपाध्यक्ष वीर सुरेश जैन बांदीकुई ने किया। कनाडा से ग्रेटर के अध्यक्ष वीर जे के जैन ने वीडियो कॉल पर उद्बोधन देकर सभी सदस्यों का स्वागत, अभिनंदन किया तथा आगामी कार्यक्रमों की जानकारी दी। ग्रेटर के सचिव वीर राजेश बड़जात्या ने पिछले वर्ष की गई संपूर्ण गतिविधियों के बारे में जानकारी देते हुए बताया की मुख्यतः सेठ आनंदीलाल मुख बधिर स्कूल में, मदर टेरेसा होम में फल वितरण, मूक पक्षियों के लिये परिन्डो का वितरण, छोटी बालिकाओं में सेनेटरी नैपकिन का वितरण कर स्वच्छता का प्रचार प्रसार किया, नवजात शिशुओं के लिए बेबी किड्स का वितरण कर इन्फेक्शन से बचाने का प्रयास किया, फुटपाथ पर बैठकर अपना व्यापार करते दुकानदारों के लिए छतरियों का वितरण कर उनके लिए छाया की व्यवस्था की गयी, CONCOR में 3 निःशुल्क मेडिकल कैंप व नेत्र जांच शिविर लगाए गए। कोषाध्यक्ष वीर धनु कुमार जैन ने सभी सदस्यों को रोमांचक हाऊजी खिलाई। जिसका सभी सदस्यों ने आनंद लिया। सभी उपस्थित सदस्यों का धन्यवाद व आभार सह सचिव वीर सुनील बज ने दिया।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

बलम पिचकारी में रोटरी सिटीजन सदस्यों ने किया जमकर धमाल

जयपुर. शाबाश इंडिया

रोटरी क्लब जयपुर सिटीजन द्वारा क्लब सदस्यों के लिए टोंक रोड स्थित गठबन्धन गार्डन में होली महोत्सव कार्यक्रम- बलम पिचकारी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के चेयरमैन सीए मनोज जैन ने बताया की इस रंगारंग कार्यक्रम में सदस्यों ने जमकर मस्ती - धमाल और डांस किया। क्लब अध्यक्ष राजेश गंगवाल ने बताया कि कार्यक्रम कि शुरूआत चंग- डप से की गई उसके बाद प्रसिद्ध लठमार नृत्य जिसपर सदस्यों ने अपने अपने साथियों के साथ भरपूर आनंद लिया। कार्यक्रम के को चेयरमैन हेमंत गुप्ता ने बताया की कार्यक्रम में राजस्थानी लोक गीत और ड्रंप संगीत का भी समायोजन किया गया था। जिसे डीनो द्वारा प्रस्तुत किया गाया था। क्लब सचिव कमल बडजात्या ने बताया की कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रोटरी प्रांतपाल निर्मल कुंनावत और सचिव दीपक सुखाडिया थे, कार्यक्रम में करीब 200 दम्पति सदस्यों ने हिस्सा लिया।

गायत्री नगर जैन मंदिर में सिद्धों की आराधना का चौथा दिन, 128 अर्घ्य समर्पित किये

जयपुर. शाबाश इंडिया। दिगम्बर जैन मंदिर गायत्री नगर , महारानी फार्म ,जयपुर में 17 मार्च से 24 मार्च तक सिध्दों की आराधना हेतु सिद्ध चक्र महामंडल विधान पं संजय जैन शास्त्री का सांगानेर के निर्देशन में बड़े ही भक्ति भाव के साथ चल रहा है। मंदिर प्रबन्ध समिति के अध्यक्ष कैलाश छाबड़ा ने अवगत कराया की प्रातः मंदिर जी में अभिषेक व शांतिधारा के पश्चात नीचे तलघर में अभिषेक व शांति धारा विधान में बैठने वाले इंद्रों व सोधर्म इंद्र अशोक पपड़ीवाल व संतोष गंगवाल परिवार द्वारा की जाती है तत्पश्चात नित्य नियम की पूजा विधान साजों के साथ प्रारंभ होता है। युवा परिषद् के राष्ट्रीय महामंत्री उदयभान जैन ने अवगत कराया कि आज विधान के चौथे दिन 128 अर्घ्य समर्पित किए गए , इस अवसर पर विधानाचार्य संजय जैन ने नंदीश्वर द्वीप की रचना के संबंध में विस्तृत रूप से समझाया और पूजा का महत्व बताया। उपरोक्त कार्यक्रम में मंदिर प्रबंध समिति के अध्यक्ष कैलाश छाबड़ा उपाध्यक्ष अरुण शाह, मंत्री राजेश बोहरा, राकेश छाबड़ा आदि प्रबंध समिति के पदाधिकारी व सदस्यों ने पुण्याजक परिवारों का स्वागत व अभिनंदन गायत्री नगर जैन समाज की ओर से किया गया।

ज्योतिषाचार्य, प्रसिद्ध वास्तुकार विनोद जैन ज्योतिष अधिवेशन में सम्मिलित होंगे

जयपुर. शाबाश इंडिया

प्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य वास्तुकार विनोद कुमार जैन अखिल भारतीय राष्ट्रीय ज्योतिष अधिवेशन में 31 मार्च को भाग लेकर अपना ज्योतिषी, वास्तु आलेख सलूंबर में वाचन करेंगे। इस आयोजन में देश प्रदेश से नामचीन 40 के आसपास ज्योतिष विद्वान भाग लेकर ज्योतिष के प्रति अपना शोध साझा करेंगे। ज्ञात रहे जयपुर के विनोद कुमार जैन 40 से अधिक वर्षों से ज्योतिष और वास्तु के क्षेत्र में कार्य करते अनेक जटिल मुद्दों पे अपनी सटीक राय देते आ रहे हैं।

यूनिराज एलुमिनी का संगीतमय होली स्नेह मिलन 22 मार्च को, प्रदेश भर से जुटेंगे एलुमिनी

जयपुर. शाबाश इंडिया

यूनिवर्सिटी ऑफ राजस्थान की एलुमिनी संस्था यूनीराज एलुमिनी फेडरेशन का होली स्नेह मिलन कार्यक्रम 22 मार्च को होने जा रहा है। फेडरेशन सुप्रीमो राजीव अरोड़ा ने बताया यूनिवर्सिटी ऑफ राजस्थान की एलुमिनी संस्था द्वारा प्रतिवर्ष होली पर इस तरह का आयोजन किया जाता रहा है, जिसमे प्रदेश भर से एलुमिनी स्कॉलर मस्ती धमाल करतेहै। इस वर्ष के संगीतमय कार्यक्रम के बारे में वरिष्ठ सलाहकार सुरेश सिंघवी ने बताया ओपन माइक के जरिए सहपाठी अपनी अपनी भावनात्मक प्रस्तुतियों से धमाल करेंगे। गौरतलब है यूनिराज एलुमिनी के सबसे उम्र दराज सदस्यो डॉ के एल जैन, डॉ परमानंद भार्गव डॉ शिव गौतम, बिल्डर गोपाल गुप्ता सरीखे 60 वे दशक के एलुमिनी भी कार्यक्रम का हिस्सा होंगे। गौरतलब है यूनिराज एलुमिनी फेडरेशन की स्थापना कुछ वर्ष पूर्व चेयरमैन राजीव अरोड़ा द्वारा की गई थी। राजीव अरोड़ा जो की 1972 बैच के विद्यार्थी रहे है और अपने विद्यार्थी जीवन में छात्रसंघ सर्वेसर्वा रहने के साथ ही यूनिवर्सिटी के प्रसिद्ध घूमर कार्यक्रम के प्रथम आयोजक भी रहे है।

जैन विश्वभारती संस्थान का 34वां स्थापना दिवस समारोह आयोजित

संस्कृति, पर्यावरण व संसाधनों की रक्षा करें और नैतिकता का विकास व भाईचारे का निर्माण करें: विधानसभा अध्यक्ष देवनानी

शरद जैन सुधांशु. शाबाश इंडिया

लाडनूं। राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा है कि भारत की बौद्धिकता पूरी दुनिया स्वीकार कर रही है। भारत आज ऊंचाइयों को छू रहा है। हर जगह आज भारतीयों का बोलबाला है। अकेले इंग्लैंड में 80 प्रतिशत डॉक्टर भारतीय हैं। उन्होंने प्राचीन भारत के 7 लाख गुरूकुलों, मध्य भारत के नालंदा, तक्षशिला आदि विश्वविद्यालयों में चीन आदि विश्वभर के लोगों द्वारा शिक्षा ग्रहण करने और आधुनिक भारत के जैन विश्वभारती विश्वविद्यालय का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत पहले भी विश्वगुरू रहा था, आज भी विश्वगरू है और भविष्य में भी विश्वगुरू रहेगा। देश की प्राचीन विरासत के स्मारकों का उल्लेख करते हुए भारत के प्राचीन ज्ञान-विज्ञान का महत्व बताया और कहा कि भारत युवाओं का देश है और सत्य, अहिंसा, दया, करूणा का देश है। वीरता व बलिदानों का देश है। यहां कण-कण में शंकर है। यह मैत्रेयी, गार्गी आदि विदुषियों का देश है। रानी लक्ष्मी बाई, अहिल्या बाई होल्कर आदि वीरांगनाओं का देश है। यह मर्यादा पुरूषोत्तम राम का देश है। इन सबको पढेंगे तो गर्व होगा। हम इन चीजों से दूर हो गए और शिक्षा को केवल कमाने के लिए लेने लगे। महावीर, गौतम बुद्ध, आचार्य चाणक्य, आचार्य तुलसी के इस देश में उनको पढेंगे, तो पता चलेगा कि हमारा जन्म किसलिए हुआ है। हम कमा कर दुनियां से चले जाएं, केवल इसी लिए हमारा जन्म नहीं हुआ, बल्कि सनातन संस्कृति को जानने-अपनाने की जरूरत है।

जीवन का सही ज्ञान बहुत जरूरी

देवनानी ने सनातन संस्कृति और अध्यात्म को उत्कृष्ट बताते हुए कहा कि केवल स्वयं को सम्पन्न बनाने की भावना बजाए साथ में मूल्यों को भी महत्व देने वाली शिक्षा आवश्यक है। अमेरिका में भौतिकवाद है, वहां धन-दौलत, सुविधाओं की कमी नहीं है, पर वे पागलपन और अनिद्रा से ग्रस्त हो रहे हैं। इससे बचने के लिए हमें जीवन का सही ज्ञान प्राप्त करना होगा और उस ज्ञान को अपने जीवन में उतारना जरूरी है। वे यहां जैन विश्वभारती संस्थान मान्य विश्वविद्यालय के 34वें स्थापना दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मैकाले ने हमारी संस्कृति की जड़ों को काटने वाली शिक्षा नीति दी थी, लेकिन आज देश का नेतृत्व सही हाथों में है, हम वापस अध्यात्म की तरफ जा रहे हैं। आज समय की आवश्यकता है कि हम देश की संस्कृति की रक्षा के साथ-साथ पर्यावरण की रक्षा करें। देश के संसाधनों की रक्षा करें और देश में भाईचारे का निर्माण करें। नैतिकता का विकास करें। नैतिकता पूर्ण जीवन बनाने में शिक्षकों की भूमिका महत्वपूर्ण है। उन्हें पढाने के साथ ही संस्कार भी देने होते हैं और संस्कार तभी दिए जा सकते हैं, जब शिक्षक स्वयं भी उनके अनुकूल हो।

2300 साधु-साध्वियों को दी उच्च शिक्षा की डिग्रियां

कुलपति प्रो. बच्छराज दूगड़ ने समारोह की अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय की विशेषताओं, प्रगति, गतिविधियों एवं भावी कार्यक्रमों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि संस्थान ने आधारभूत संरचना में नेचुरोपैथी मेडिकल सेंटर के साथ ही अनेक कार्य किए जा रहे हैं ।यहां छात्रहित के साथ मानव संसाधन विकास के लिए निरन्तर प्रयास किए जाते हैं। यहां पुरातन ज्ञान के सुदृढीकरण काम किया जाता है। पांडुलिपि संरक्षण के लिए भारत सरकार के सहयोग से पांडुलिपियों के संरक्षण की योजनाओं पर काम हो रहा है। देश भर में यह अकेला ऐसा विश्वविद्यालय है, जहां पाकृत भाषा के माध्यम से निरन्तर अबाध रूप से व्याख्यानमाला का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने शोध सम्बंधी महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट्स का विवरण देते हुए कहा कि जैन परम्परा के ''संथारा'', ''वर्षीतप'' और ''सूर्यास्त के बाद भोजन नहीं करने'' पर वैज्ञानिक अध्ययन किया जा रहा है। यहां चल रही विभिन्न शोध परियोजनाओं के प्रकाशन का काम भी हाथ में लिया गया है। वास्तु, ज्योतिष, आहार, जैन जीवन पद्धति आदि विभिन्न विषयों पर भी पाठ्यक्रमों का संचालन किया जा रहा है। नेचुरोपैथी व क्लासिकल म्युजिक के लिए दो विभाग बनाए गए हैं। राजस्थानी भाषा व साहित्य के लिए केन्द्र बनाया जाकर कार्य किया जा रहा है।

कुण्डलपुर महामहोत्सव में शामिल होंगे संघ प्रमुख डॉ. मोहन भागवत

महामहोत्सव होगा 16 अप्रैल 2024, मंगलवार को

राजेश जैन रागी /रत्नेश जैन बकस्वाहा. शाबाश इंडिया

कुण्डलपुर (दमोह)। दिगम्बर जैनाचार्य, समाधि सम्राट, राष्ट्रसंत , संतशिरोमणि परम पूज्य श्री विद्यासागर जी महामुनिराज की परम्परा में नये आचार्य पद पदारोहण अनुष्ठान महामहोत्सव में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख डॉ. मोहन भागवत उपस्थित रहेंगे। यह महामहोत्सव 16 अप्रैल 2024, मंगलवार को कुण्डलपुर में बड़े बाबा देवाधिदेव श्री आदिनाथ भगवान के चरण सान्निध्य में होगा। भारतवर्षीय दिगम्बर जैन तीर्थक्षेत्र कमेटी के राष्ट्रीय महामंत्री संतोष जैन पेंडारी के नेतृत्व में जैन समाज का प्रतिनिधि मण्डल आज बुधवार को नागपुर (महाराष्ट्र) में डॉ. मोहन भागवत से मिला। महामहोत्सव समिति के प्रशासनिक संयोजक रवीन्द्र जैन पत्रकार ने कार्यक्रम के बारे में विस्तार से जानकारी दी। डॉ. भागवत ने गौर से सुनकर इस महोत्सव में आने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान कर दी।

जयकारों के बीच श्री इन्द्र ध्वज विधान में चढ़ाई 251 ध्वजाएं

जयपुर. शाबाश इंडिया। अष्टान्हिका पर्व के अवसर पर श्याम नगर वषिष्ठ मार्ग के श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में सर्वांगभूषण आचार्यश्री चैत्य सागर जी महाराज के सानिध्य में श्री इन्द्रध्वज महामंडल विधान में बुधवार को मंडल पर 251 ध्वजाएं चढ़ाई गई। इस दौरान श्रद्धालु भजनों की स्वर लहरियों में झूमते-नाचते नजर आए। मंदिर प्रबंध समिति के अध्यक्ष निहाल चन्द्र पांडया ने बताया कि ऐसा पहली बार हो रहा है,जब श्याम नगर के चार मंदिरों के श्रावक-श्राविकाएं एक साथ मिलकर श्री इन्द्रध्वज महामंडल विधान में भक्ति और आस्था के साथ भाग ले रहे थे। महोत्सव के तहत आज सुबह नित्याभिषेक के बाद आचार्यश्री के सानिध्य में श्रीजी की शांतिधारा व अभिषेक की क्रियाएं सम्पन्न हुई। इस अवसर पर कार्यक्रम स्थल धन्य-धन्य आज घड़ी कैसी सुखकार है... रोम-रोम पुलकित हो जाए..जैसे भजनों की स्वर लहरियों पर नाच-गाकर वातावरण को भक्तिमय बना रहे थे। इसके बाद श्री इन्द्रध्वज महामंडल विधान में सौधर्म इन्द्र विनोद कुमार पांडया व सुलोचना पांडया, चक्रवर्ती प्रभाचंद्र-मधु चांदवाड़ सहित अन्य इन्द्र-इन्द्राणियों व श्रद्धालुओं ने 251 मंडल पर ध्वजाएं अर्पित की।